योएल

टिड्डियाँ फसलों को खा जायेंगी

1 पतूएल के पुत्र योएल ने यहोवा से इस संदेश को
प्राप्त किया: 2मुखियों, इस सन्देश को सुनो! हे इस
धरती के निवासियों, तुम सभी मेरी बात सुनो। क्या
तुम्हारे जीवन काल में पहले कभी कोई ऐसी बात घटी
है? नहीं! क्या तुम्हारे पुरखों के समय में कभी कोई
ऐसी बात घटी है? नहीं!
3इन बातों के बारे में तुम अपने बच्चों को बताया
करोगे और तुम्हारे बच्चे ये बातें अपने बच्चों को बतायेंगे
और तुम्हारे नाती पोते ये बातें अगली पीढ़ियों को बतायेंगे।
4कुतरती हुई टिड्डियों से जो कुछ भी बचा, उसको
भिन्नाती हुई टिड्डियों ने खा लिया और भिन्नाती टिड्डियों
से जो कुछ बचा, उसको फुदकती टिड्डियों ने खा लिया
है और फुदकती टिड्डियों से जो कुछ रह गया, उसे
विनाशकारी टिड्डियों ने चट कर डाला है!

टिड्डियों का आना

5ओ मतवालों, जागो, उठो और रोओ! ओ सभी लोगों
दाखमधु पीने वालों, विलाप करो। क्योंकि तुम्हारी मधुर
दाखमधु अब समाप्त हो चुकी है। अब तुम, उसका नया
स्वाद नहीं पाओगे।
6देखो, विशाल शक्तिशाली लोग मेरे देश पर आक्रमण
करने को आ रहे हैं। उनके साथ अनगिनत सैनिक हैं।
वे "टिड्डे" (शत्रु के सैनिक) तुम्हें फाड़ डालनें में समर्थ
होंगे! उनके दाँत सिंह के दाँतों जैसे हैं।
7वे "टिड्डे" मेरे बागों के अंगूर चट कर जायेंगे! वे
मेरे अंजीर के पेड़ नष्ट कर देंगे। वे मेरे पेड़ों को छाल
तक चट कर जायेंगे। उनकी टहनियाँ पीली पड़ जायेंगी
और वे पेड़ सूख जायेंगे।

लोगों का विलाप

8उस युवती सा रोओ, जिसका विवाह होने को है
और जिसने शोक वस्त्र पहने हों जिसका भावी पति
शादी से पहले ही मारा गया हो। 9हे याजकों! हे यहोवा
के सेवकों, विलाप करो! क्योंकि अब यहोवा के मन्दिर
में न तो अनाज होगा और न ही पेय भेंटे चढ़ेंगी।
10खेत उजड़ गये हैं। यहाँ तक कि धरती भी रोती है
क्योंकि अनाज नष्ट हुआ है, नया दाखमधु सूख गया है
और जैतून का तेल समाप्त हो गया है।
11हे किसानो, तुम दुःखी होवो! हे अंगूर के बागवानों,
जोर से विलाप करो! तुम गेहूँ और जौ के लिये भी
विलाप करो! क्योंकि खेत की फसल नष्ट हुई है।
12अंगूर की बेलें सूख गयी हैं और अंजीर के पेड़
मुरझा रहे हैं। अनार के पेड़, खजूर के पेड़ और सेब
के पेड़ –बगीचे के ये सभी पेड़ सूख गये हैं। लोगों के
बीच में प्रसन्नता मर गयी है।
13हे याजकों, शोक वस्त्र धारण करो, जोर से विलाप
करो। हे वेदी के सेवकों, जोर से विलाप करो। हे मेरे
परमेश्वर के दासों, अपने शोक वस्त्रों में तुम सो जाओगे।
क्योंकि अब वहाँ अन्न और पेय भेंटे परमेश्वर के
मन्दिर में नहीं होंगी।

टिड्डियों से भयानक विनाश

14लोगों को बता दो कि एक ऐसा समय आयेगा जब
भोजन नहीं किया जायेगा। एक विशेष सभा के लिए
लोगों को बुला लो। सभा में मुखियाओं और उस धरती
पर रहने वाले सभी लोगों को इकट्ठा करो। उन्हें
अपने यहोवा परमेश्वर के मंदिर में ले आओ और
यहोवा से विनती करो। 15दुःखी रहो क्योंकि यहोवा का
वह विशेष दिन आने को है। उस समय दण्ड इस
प्रकार आयेगा जैसे सर्वशक्तिमान परमेश्वर का कोई
आक्रमण हो। 16हमारा भोजन हमारे देखते–देखते चट
हो गया है। हमारे परमेश्वर के मंदिर से आनन्द और
प्रसन्नता जाती रही है। 17हमने बीज तो बोये थे, किन्तु वे
धरती में पड़े–पड़े सूख कर मर गये हैं। हमारे पौधे सूख
कर मर गये हैं। हमारे खत्ते खाली पड़े हैं और ढह रहे
हैं।
18हमारे पशु भूख से कराह रहे हैं। हमारे मवेशी
खोये–खोये से इधर–उधर घूमते हैं। उनके पास खाने
को घास नहीं हैं। भेड़ें मर रही हैं। 19हे यहोवा, मैं तेरी
दुहाई दे रहा हूँ। क्योंकि हमारी चरागाहों को आग ने
रेगिस्तान बना दिया है। बगीचों के सभी पेड़ लपटों से
झुलस गये हैं। 20जंगली पशु भी तेरी सहायता चाहते हैं।
नदियाँ सूख गयी हैं। कहीं पानी का नाम नहीं! आग ने
हमारी हरी–भरी चरागाहों को मरुभूमि में बदल दिया
है।

यहोवा का दिन जो आने को है

2 सिय्योन पर नरसिंगा फूँको। मेरे पवित्र पर्वत पर
चेतावनी सुनाओ। उन सभी लोगों को जो इस धरती
पर रहते हैं, तुम भय से कँपा दो। यहोवा का विशेष दिन
आ रहा है। यहोवा का विशेष दिन पास ही आ पहुँचा है।
2वह दिन अन्धकार भरा होगा, वह दिन उदासी का
होगा, वह दिन काला होगा और वह दिन दुर्दिन होगा।
भोर की पहली किरण के साथ तुम्हें पहाड़ पर सेना
फैलती हुई दिखाई देगी। वह सेना विशाल और शक्तिशाली
भी होगी। ऐसा पहले तो कभी भी घटा नहीं था और
आगे भी कभी ऐसा नहीं घटेगा, न ही भूत काल में, न
ही भविष्य में।
3वह सेना इस धरती को धधकती आग जैसे तहस-नहस
कर देगी। सेना के आगे की भूमि वैसी हो जायेगी जैसे
एदेन का बगीचा और सेना के पीछे की धरती वैसी हो
जायेगी जैसे उजड़ा हुआ रेगिस्तान हो। उनसे कुछ भी
नहीं बचेगा।
4वे घोड़े की तरह दिखते हैं और ऐसे दौड़ते हैं जैसे
युद्ध के घोड़े हों।
5उन पर कान दो। वह नाद ऐसा है जैसे पहाड़ पर
चढ़ते रथों का घर-घर नाद हो। वह नाद ऐसा है जैसे
भूसे को चटपटाती हुई लपटें जला रही हों। वे लोग
शक्तिशाली हैं। वे युद्ध को तत्पर हैं।
6इस सेना के आगे लोग भय से काँपते हैं। उनके
मुख डर से पीले पड़ जाते हैं।
7वे सैनिक बहुत तेज दौड़ते हैं। वे सैनिक दीवारों पर
चढ़ते हैं। प्रत्येक सैनिक सीधा ही आगे बढ़ जाता है। वे
अपने मार्ग से जरा भी नहीं हटते हैं।
8वे एक दूसरे को आपस में नहीं धकेलते हैं। हर एक
सैनिक अपनी राह पर चलता है। यदि कोई सैनिक
आघात पा करके गिर जाता है तो भी वे दूसरे सैनिक
आगे ही बढ़ते रहते हैं।
9वे नगर पर चढ़ जाते हैं और बहुत जल्दी ही परकोटा
फलांग जाते हैं। वे भवनों पर चढ़ जाते और खिड़कियों
से होकर भीतर घुस जाते हैं जैसे कोई चोर घुस जाये।
10धरती और आकाश तक उनके सामने काँपते हैं।
सूरज और चाँद भी काले पड़ जाते हैं और तारे चमकना
छोड़ देते हैं। 11यहोवा जोर से अपनी सेना को पुकारता
है। उसकी छावनी विशाल है। वह सेना उसके आदेशों
को मानती है। वह सेना अति बलशाली है। यहोवा का
विशेष दिन महान और भयानक है। कोई भी व्यक्ति
उसे रोक नहीं सकता।

यहोवा लोगों से बदलने को कहता है

12यहोवा का यह सन्देश है: "अपने पूर्ण मन के साथ
अब मेरे पास लौट आओ। तुमने बुरे कर्म किये हैं।
विलाप करो, विलाप करो और निराहार रहो!
13"अरे वस्त्र नहीं, तुम अपने ही मन को फाड़ो। तुम
लौट कर अपने परमेश्वर यहोवा के पास जाओ। वह
दयालु और करुणापूर्ण है। उसको शीघ्र क्रोध नहीं आता
है। उसका प्रेम महान है। सम्भव है जो क्रोध दण्ड उसने
तुम्हारे लिये सोचा है, उसके लिये वह अपना मन बदल
ले।
14"कौन जानता है, सम्भव है यहोवा अपना मन
बदल ले और यह भी सम्भव है कि वह तुम्हारे लिये
कोई वरदान छोड़ जाये। फिर तुम अपने परमेश्वर
यहोवा को अन्नबलि और पेय भेंट अर्पित कर पाओगे।

यहोवा से प्रार्थना करो

15"सिय्योन पर नरसिंगा फूँको। उस विशेष सभा के
लिये बुलावा दो। उस उपवास के विशेष समय का
बुलावा दो।
16"तुम, लोगों को जुटाओ। उस विशेष सभा के लिये
उन्हें बुलाओ। तुम बूढ़े पुरुषों को एकत्र करो और बच्चे
भी साथ एकत्र करो। वे छोटे शिशु भी जो अभी भी
स्तन पीते हो, लाओ। नयी दुल्हिन को और उसके पति
को सीधे उनके शयन-कक्षों से बुलाओ।
17"हे याजकों और यहोवा के दासों, आँगन और वेदी
के बीच में बुहार करो। सभी लोगों ये बातें तुम्हें कहनी
चाहिये: "यहोवा ने तुम्हारे लोगों पर करुणा की। तुम
अपने लोगों को लज्जित मत होने दो। तुम अपने लोगों
को दूसरों के बीच में हँसी का पात्र मत बनने दो। तुम
दूसरे देशों को हँसते हुए कहने का अवसर मत दो कि
उनका परमेश्वर कहाँ है?"

यहोवा तुम्हें तुम्हारी धरती वापस दिलवायेगा

18फिर यहोवा अपनी धरती के बारे में बहुत अधिक
चिन्तित हुआ। उसे अपने लोगों पर दया आयी।
19यहोवा ने अपने लोगों से कहा। वह बोला, "मैं
तुम्हारे लिये अन्न, दाखमधु और तेल भिजवाऊँगा। ये
तुमको भरपूर मिलेंगे। मैं तुमको अब और अधिक
जातियों के बीच में लज्जित नहीं करूँगा।
20"नहीं, मैं तुम्हारी धरती को त्यागने के लिये उन
लोगों (उत्तर अथवा बाबुल) पर दबाव दूँगा। मैं उनको
सूखी और उजड़ी हुई धरती पर भेजूँगा। उनमें से कुछ
पूर्व के सागर में जायेंगे और उनमें से कुछ पश्चिमी
समुद्र में जायेंगे। उन शत्रुओं ने ऐसे भयानक कर्म किये
हैं। वे लोग वैसे हो जायेंगे जैसे सड़ती हुई मृत वस्तुएँ
होती हैं। वहाँ ऐसी भयानक दुर्गन्ध होगी।"

धरती को फिर नया बनाया जायेगा

21हे धरती, तू भयभीत मत हो। प्रसन्न हो जा और
आनन्द से भर जा क्योंकि यहोवा बड़े काम करने को
है।

22ओ मैदानी पशुओं, तुम भय त्यागो। जंगल की
चारागाहें घास उगाया करेंगी। वृक्ष फल देने लगेंगे।
अंजीर के पेड़ और अंगूर की बेलें भरपूर फल देंगे।
23सो, हे सिय्योन के लोगों, प्रसन्न रहो। अपने परमेश्वर
यहोवा में आनन्द से भर जाओ। क्योंकि वह तुम्हारे
साथ भला करेगा और तुम्हें वर्षा देगा। वह तुम्हें अगली
वर्षा देगा और वह तुझे पिछली वर्षा भी देगा जैसे पहले
दिया करता था।
24तुम्हारे ये खलिहान गेहूँ से भर जायेंगे और तुम्हारे
कुप्पे दाखमधु और जैतून के तेल से उफनने लगेंगे।
25मुझ यहोवा ने अपनी सशक्त सेना तुम्हारे विरोध में
भेजी थी। वे भिन्नाती हुई टिड्डियाँ, फुदकती हुई टिड्डियाँ,
विनाशकारी टिड्डियाँ और कुतरती टिड्डियाँ तुम्हारी
वस्तुएँ खा गये। किन्तु मैं, यहोवा उन विपत्तियों के वर्षों
के बदले में फिर से तुम्हें और वर्ष दूँगा।
26फिर तुम्हारे पास खाने को भरपूर होगा। तुम सन्तुष्ट
होओगे। अपने परमेश्वर यहोवा के नाम का तुम गुणगान
करोगे। उसने तुम्हारे लिये अद्भुत बातें की हैं। अब मेरे
लोग फिर कभी लज्जित न होंगे।
27तुमको पता चल जायेगा कि मैं इस्राएली लोगों के
साथ हूँ। तुमको पता चल जायेगा कि मैं तुम्हारा परमेश्वर
यहोवा हूँ और कोई दूसरा परमेश्वर नहीं है। मेरे लोग
फिर कभी लज्जित न होंगे।

सभी लोगों पर अपनी आत्मा उंडेलने की यहोवा की प्रतिज्ञा

28इस के बाद मैं तुम सब पर अपनी आत्मा उंडेलूँगा।
तुम्हारे पुत्र-पुत्रियाँ भविष्यवाणी करेंगे। तुम्हारे बूढ़े दिव्य
स्वप्नों को देखेंगे। तुम्हारे युवक दर्शन करेंगे।
29उस समय मैं अपनी आत्मा दास-दासियों पर उंडेलूँगा।
30धरती पर और आकाश में मैं अद्भुत चिन्ह प्रकट
करूँगा। वहाँ खून, आग और गहरा धुआँ होगा।
31सूरज अंधकार में बदल जायेगा। चाँद भी खून के
रंग में बदलेगा और फिर यहोवा का महान और भयानक
दिन आयेगा!
32तब कोई भी ऐसा व्यक्ति जो यहोवा का नाम लेगा,
छुटकारा पायेगा। सिय्योन के पहाड़ पर और यरूशलेम
में वे लोग बसेंगे जो बचाये गये हैं। यह ठीक वैसा ही
होगा जैसा यहोवा ने बताया है। उन बचाये गये लोगों में
बस वे ही लोग होंगे जिन्हें यहोवा ने बुलाया था।

यहूदा के शत्रुओं को यहोवा द्वारा दण्ड दिये जाने का वचन

3 "उन दिनों और उस समय, मैं यहूदा और यरूशलेम
को बंधन मुक्त कराकर देश निकाले से वापस ले
आऊँगा। 2मैं सभी जातियों को भी एकत्र करूँगा। इन
सभी जातियों को मैं यहोशापात की तराई में इकट्ठा
करूँगा और वहीं मैं उनका न्याय करूँगा। उन जातियों
ने मेरे इस्राएली लोगों को तितर-बितर कर दिया था।
दूसरी जातियों के बीच रहने के लिये उन्होंने उन्हें
विवश किया था। इसीलिए मैं उन जातियों को दण्ड
दूँगा। उन जातियों ने मेरी धरती का बँटवारा कर दिया
था। 3मेरे लोगों के लिये उन्होंने पासे फेंके थे। उन्होंने
एक लड़के को बेचकर उसके बदले एक वेश्या खरीदी
और दाखमधु के बदले लड़की बेच डाली
4"हे सोर, सीदोन, और पलिश्तीन के सभी प्रदेशों!
तुम मेरे लिये कोई महत्व नहीं रखते! क्या तुम मुझे मेरे
किसी कर्म के लिए दण्ड दे रहे हो? हो सकता है तुम
यह सोच रहे हो कि तुम मुझे दण्ड दे रहे हो किन्तु शीघ्र
ही मैं ही तुम्हें दण्ड देने वाला हूँ। 5तुमने मेरा चाँदी, सोना
लूट लिया। मेरे बहुमूल्य खजानों को लेकर तुमने अपने
मंदिरों में रख लिया।
6"यहूदा और यरूशलेम के लोगों को तुमने यूनानियों
के हाथ बेच दिया और इस प्रकार तुम उन्हें उनकी
धरती से बहुत दूर ले गये। 7उस सुदूर देश में तुमने मेरे
लोगों को भेज दिया। किन्तु मैं उन्हें लौटा कर वापस
लाऊँगा और तुमने जो कुछ किया है, उसका तुम्हें दण्ड
दूँगा 8मैं यहूदा के लोगों को तुम्हारे पुत्र-पुत्रियाँ बेच
दूँगा। और फिर वे उन्हें शबाइ लोगों को बेच देंगे।" ये
बातें यहोवा ने कहीथीं।

युद्ध की तैयारी करो

9लोगों को यह बता दो-युद्ध को तैयार रहो! शूरवीरों
को जगाओ, सारे योद्धाओं को अपने पास एकत्र करो।
उन्हें उठ खड़ा होने दो!
10अपने हलों की फालियों को पीट कर तलवार
बनाओं और अपनी डांगियों को तुम भालों में बदल लो।
ऐसा करो कि दुर्बल कहने लगे कि "मैं एक शूरवीर
हूँ।"
11हे सभी जातियों के लोगों, जल्दी करो! वहाँ एकत्र
हो जाओ। हे यहोवा, तू भी अपने प्रबल वीरों को ले आ!
12हे जातियों! जागो! यहोशापात की घाटी में आजाओ!
मैं वहाँ बैठकर सभी आसपास के देशों का न्याय
करूँगा।
13तुम हँसुआ ले आओ, क्योंकि पकी फसल खड़ी है।
आओ, तुम अंगूर रौंदो क्योंकि अंगूर का गरठ भरा
हुआ है। घड़े भर जायेंगे और वे बाहर उफनेंगे क्योंकि
उनका पाप बहुत बड़ा है।
14उस न्याय की घाटी में बहुत-बहुत सारे लोग हैं।
उस न्याय की घाटी में यहोवा का दिन आने वाला है।
15सूरज चाँद काले पड़ जायेंगे। तारे चमकना छोड़
देंगे।
16परमेश्वर यहोवा सिय्योन से गरजेगा। वह
यरूशलेम से गरजेगा। आकाश और धरती काँप-काँप

जायेंगे किन्तु अपने लोगों के लिये परमेश्वर यहोवा शरणस्थल होगा। वह इस्राएल के लोगों का सुरक्षा स्थान बनेगा।

17तब तुम जान जाओगे कि मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ। मैं सिय्योन पर बसता हूँ जो मेरा पवित्र पर्वत है। यरूशलेम पवित्र बन जायेगा। फिर पराये कभी भी उसमें से होकर नहीं जा पायेंगे।

यहूदा के लिए नया जीवन का वचन

18उस दिन मधुर दाखमधु पर्वत से टपकेगा। पहाड़ों से दूध की नदियाँ और यहूदा की सभी सूखी नदियाँ बहते हुए जल से भर जायेंगी। यहोवा के मन्दिर से एक फव्वारा फूटेगा जो शित्तीम की घाटी को पानी से सींचेगा।

19मिस्र खाली हो जायेगा और एदोम एक उजाड़ हो जायेगा। क्योंकि वे यहूदा के लोगों के संग निर्दयी ही रहे थे। उन्होंने अपने ही देश में निरपराध लोगों का वध किया था।

20किन्तु यहूदा में लोग सदा ही बसे रहेंगे और यरूशलेम में लोग पीढ़ियों तक रहेंगे।

21उन लोगों ने मेरे लोगों का वध किया था इसलिये निश्चय ही मैं उन्हें दण्ड दूँगा। क्योंकि परमेश्वर यहोवा का सिय्योन पर निवासस्थान है!

Bible League International and its Global Partners provide Scriptures for millions of people who still do not have the life-giving hope found in God's Word. Every purchase of an Easy-to-Read Translation™ enables the printing of a Bible for a person who needs God's Word somewhere in the world. To provide even more Scriptures for more people, please make a donation at www.bibleleague.org/donate or contact us at Bible League International, 1 Bible League Plaza, Crete, IL 60417, USA. Bible League International exists to develop and provide Easy-to-Read Bible translations and Scripture resources for churches and partners as they help people meet Jesus.

Hindi Holy Bible: Easy-to-Read Version™ (ERV™)
© 1995 Bible League International

Maps, Illustrations © Bible League International

Additional materials © Bible League International

All rights reserved.

This copyrighted material may be quoted up to 1000 verses without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. This copyright notice must appear on the title or copyright page:

> Taken from the Hindi Holy Bible: Easy-to-Read Version™ (ERV™) © 1995 Bible League International and used by permission.

When quotations from the ERV are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials (ERV) must appear at the end of each quotation. Requests for permission to use quotations or reprints in excess of 1000 verses or more than 50% of the work in which they are quoted, or other permission requests, must be directed to and approved in writing by Bible League International.

God's Word. Local Church. Global Strategy.™

Bible League International
1 Bible League Plaza
Crete, IL 60417, USA
Phone: 866–825–4636
Email: permissions@bibleleague.org
Web: www.bibleleague.org

B-HIN-89800: ISBN: 978-1-935189-80-0 **B-HIN-89992: ISBN: 978-1-935189-99-2**
B-HIN-07536: ISBN: 978-1-61870-753-6 **B-HIN-61738-POD: ISBN: 978-1-62826-173-8**

Free downloads: www.bibleleague.org/downloads